Title: Need to provide more air facilities at Kanpur Airport, Uttar Pradesh.

श्री जगत वीर सिंह द्रोण (कानपुर): सभापति महोदय, कानपुर उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला महानगर है जहां अनेक उद्योग हैं जो देश की प्रगति में अतुलनीय योगदान करते हैं, परंतु विदेश से आने वाले व्यापारियों को कानपुर पहुंचने के लिए कोई हवाई मार्ग की सुविधा नहीं है। यहां पहला हवाई अड्डा बहुत पहले वर्ष १९३४ के आसपास बना था तथा यहां के लिए इंडियन एयर लाइन्स/वायुदूत की नियमित उड़ानें दिल्ली, कलकत्ता, अहमदाबाद और मुम्बई के लिए होती थीं, परंतु वर्ष १९९२ से सभी उड़ानें बंद कर दी गईं। कानपुर के औद्योगिक विकास पर इसका प्रतिकूल असर पड़ा तथा उद्योग बंद होने लगे। मैं पहले भी यह मुद्दा कई बार लोक सभा में उठा चुका हूं परंतु इस ओर समुचित ध्यान नहीं दिया गया।

कानपुर का हवाई अड्डा सभी सुविधाओं से युक्त है तथा वर्तमान सेवाओं में कुछ सुधार करने के पश्चात एयरबस भी यहां पर उतर सकती है। रात्रि में उड़ानों के लिए कुछ सुधार आवश्यक हैं जो आसानी से किये जा सकते हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि कानपुर जैसे प्रमुख औद्योगिक नगर से दिल्ली, कलकत्ता, अहमदाबाद तथा मुम्बई के लिए उड़ानें आरम्भ करें जिससे इस नगर का औद्योगिक स्वरूप नष्ट होने से बचाया जा सके। यदि एक हवाई जहाज इस मार्ग पर उ पलब्ध करा दिया जाये तो वह एक-एक दिन दिल्ली से कानपुर होता हुआ प्रत्येक सप्ताह में दो बार कलकत्ता, अहमदाबाद तथा मुम्बई को यात्री ले जा सकेगा। साथ ही कानपुर से कार्गो भी अच्छी मात्रा में उपलब्ध होता है जिससे निर्यातकों को सुविधा हो सकेगी, वहीं इंडियन एयरलाइन्स को भी लाभ होगा। इस मार्ग पर प्र ाइवेट एयरलाइन्स को भी प्रेरणा एवं प्रोत्साहन देकर लाया जा सकता है। मुझे विश्वास है कि नागरिक उड्डयन मंत्री इसे गंभीरता से लेंगे एवं इस समस्या का समाधान करेंगे।